समर प्राइम 3

www.summerexpress.in

26 दिसंबर 2025

समर एक्सप्रेस

मैं बोलूंगा तो...

राष्ट्रभक्ति बनाम रील भक्ति कौन बनेगा भारत निर्माता

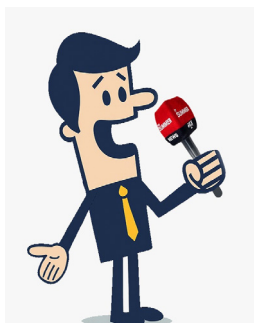

समर न्यूज़ | लुधियाना

देश में यह सचमुच स्वर्णिम युग चल रहा है। ऐसा युग, जहाँ राष्ट्र निर्माण अब फ़ाइलों और प्रयोगशालाओं में नहीं, बल्कि रील्स और ड्रोन शॉट्स में होता है। जहाँ देश आगे बढ़ता है, लेकिन पहले कैमरा आगे जाता है। जहाँ विकास की गति से ज़्यादा ज़रूरी है वीडियो की फ्रेम रेट। कभी खबर आती थी कि हमारे वैज्ञानिक दिन-रात लगकर तेजस, AMCA और स्वदेशी तकनीक विकसित कर रहे हैं। लोग गर्व करते थे। अब खबर आती है कि किस व्लॉगर ने वंदे भारत में बैठकर "भाई क्या एक्सपीरियंस है!" कहा। और गर्व करोड़ों व्यूज़ देखकर आता है। ज़माना बदल गया है। अब देश को इंजीनियर नहीं, इन्फ्लुएंसर चाहिए। एक तरफ़ ADA में 10–15 साल अनुभव वाला वैज्ञानिक है, जो 59,276 रुपये महीने में राष्ट्र की रक्षा मजबूत कर रहा है।

दूसरी तरफ़ एक कैमरा-स्माइल प्रोफेशनल है, जो "भारत घूमो, भारत जानो" कहते-कहते छह करोड़ का पैकेज बना लेता है। इसे कहते हैं, डिजिटल समानता। सरकार भी समय के साथ चल रही है। अब कौन दूरदर्शन देखता है ये सब जानते हैं। फिर भी उसी से कंटेंट बनवाना एक ऐतिहासिक फैसला है। आखिर दूरदर्शन सिर्फ चैनल नहीं, दूर की सोच का प्रतीक है। हाँ, देखने वाले कम हैं, लेकिन भावना गहरी है।

वैसे सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, "हर विभाग को उसकी क्षमता के अनुसार काम।"

रक्षा मंत्रालय? वो देश की रक्षा करे। पर्यटन मंत्रालय? वो देश की इमेज रक्षा करे। फर्क बस इतना है कि रक्षा मंत्रालय की फाइलें धूल खाती हैं, और पर्यटन मंत्रालय की रील्स ट्रेंड करती हैं। देशभक्त युवा अब गंभीर दुविधा में हैं।

क्या CAD, CFD और सिमुलेशन सीखना जरूरी है? या फिर "लो एंगल + स्लो मोशन + बैकग्राउंड म्यूज़िक" ही भविष्य है?

क्यों कोई रात भर लैब में बैठकर विंग डिज़ाइन करे, जब वंदे भारत में चाय पकड़कर कैमरे से आंख मिलाना ही करियर बना सकता है? शायद भविष्य के IITians अब थर्मोडायनामिक्स नहीं, थंबनेल साइकोलॉजी पढ़ेंगे।

क्योंकि देशहित में सबसे अहम चीज है सही लाइटिंग और सही म्यूज़िक।

तो निष्कर्ष साफ़ है। अगर आप भी भारत निर्माण में योगदान देना चाहते हैं, तो किताबें बंद कीजिए, लैपटॉप छोड़िए और कैमरा उठाइए। क्योंकि आज के भारत में राष्ट्रभक्ति अच्छी बात है, लेकिन रील भक्ति ज़्यादा चलती है। वो भी सरकारी अनुमोदन, ब्रांड डील और ड्रोन शॉट्स के साथ। जय हो!

#MainBolungaTo #SummerExpress #SummerNews #BakwaasBulletin #Satire-Shots#FakeSeriousNew

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

हर नया दिन हमारे जीवन में नई उम्मीदें, नए अवसर और नई ऊर्जा लेकर आता है। आज का दिन भी आपके लिए सफलता, शांति और सकारात्मकता से भरा हो यही कामना है। अपने मन को शांत रखें, विचारों को सकारात्मक बनाएं और पूरे विश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएं।अपने आसपास के लोगों के साथ प्रेम, सम्मान और सहयोग बनाए रखें, क्योंकि यही रिश्ते जीवन को सुंदर बनाते हैं। खुद पर भरोसा रखें, मेहनत करते रहें और ईश्वर का धन्यवाद करें कि आपको एक और नया दिन मिला है। आपका आज का दिन खुशियों, अच्छे स्वास्थ्य और सफलता से भरा हो।

-दलजीत सिंह ग्रेवाल
विधायक

लाखों चालान अब भी लंबित

चंडीगढ़ पुलिस ने 2025 में अब तक 648 लाइसेंस किये रद्द

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

स्मार्ट सिटी चंडीगढ़ में चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों और ट्रैफिक पुलिस की कड़ी निगरानी के बावजूद यातायात नियमों की अनदेखी लगातार जारी है। इसका परिणाम यह हुआ कि अनुशासित शहर के रूप में पहचान रखने वाले चंडीगढ़ में प्रशासन को सख्त कदम उठाते हुए बड़ी संख्या में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने पड़े हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक 648 ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी के मुताबिक, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना लाइसेंस रद्द होने का प्रमुख कारण रहा है। इसके अलावा, तीन सवारी के साथ बाइक चलाने जैसे उल्लंघनों के मामले भी बड़ी संख्या में दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बार-बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद कई वाहन चालक चालान जमा नहीं कर रहे हैं। बीते तीन वर्षों के दौरान जारी किए गए करीब साढ़े सात लाख चालान अब तक लंबित हैं। आरएलए इंचार्ज प्रद्युमन सिंह ने बताया कि तेज रफ्तार, रेड लाइट जंपिंग और खतरनाक ड्राइविंग जैसे मामलों में कई चालक जानबूझकर जुर्माना भरने से बचते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन चालकों को अंतिम नोटिस जारी किया जाएगा और इसके बाद भी भुगतान न करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 और केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 21 के तहत नशे की हालत में वाहन चलाने, तेज गति, रेड लाइट तोड़ने और मोबाइल फोन के इस्तेमाल जैसे गंभीर उल्लंघनों पर छह महीने तक ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। वहीं, बिना हेलमेट वाहन चलाने पर तीन महीने के लिए लाइसेंस सस्पेंड किए जाने के साथ जुर्माना भी लगाया जाता है।

समर ईयर एंडर 2025

वैश्विक व्यापार युद्ध में भारत की दमदार वापसी

जब चुनौतियों ने भारत को और मजबूत बना दिया

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

वर्ष 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी कठिन परीक्षा से कम नहीं रहा। एक ओर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाकर निर्यात पर दबाव बनाया, तो दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध ने कच्चे तेल की आपूर्ति और कीमतों को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी। लेकिन भारत ने इस संकट को कमजोरी नहीं, बल्कि रणनीतिक बदलाव के अवसर के रूप में लिया। रूबिक्स डेटा साइंसेज की रिपोर्ट 'द ईयर दैट टेस्टेड ट्रेड' के अनुसार, 2025 भारत के लिए संकट का साल नहीं बल्कि समायोजन, सुधार और आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित हुआ।

▪ ट्रंप टैरिफ का झटका और भारत की रणनीतिक चाल...

अगस्त 2025 में जब अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक पारस्परिक टैरिफ लागू किए, तो शुरुआती दो महीनों में भारतीय निर्यात को बड़ा झटका लगा और इसमें करीब 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। लेकिन भारतीय निर्यातकों ने पीछे हटने के बजाय टैरिफ का बोझ खुद उठाने का फैसला किया। नतीजा यह हुआ कि अक्टूबर-नवंबर में निर्यात में V-शेप रिकवरी देखने को मिली।

इस दौरान टेलीकॉम और मोबाइल फोन निर्यात में 182 प्रतिशत का ऐतिहासिक उछाल दर्ज किया गया। भारत में एप्पल जैसी वैश्विक कंपनियों की बढ़ती मौजूदगी ने इस तेजी को नया आधार दिया।

▪ तेल संकट में बदली रणनीति, खुले नए रास्ते...

रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण भारत के रिफाइनिंग सेक्टर पर दबाव बढ़ा, क्योंकि यूरोप ने रूसी तेल से बने ईंधन की खरीद सीमित कर दी थी।

• भारत ने समय रहते अपनी नीति बदली-

• रूस से कच्चे तेल के आयात में 17.8% की कटौती

अमेरिका और यूएई से क्लीन बैरल आयात में बढ़ोतरी

साथ ही भारत ने चीन, ओमान और दक्षिण कोरिया जैसे नए बाजारों में निर्यात बढ़ाकर पारंपरिक बाजारों में हुए नुकसान की भरपाई की।

▪ GST 2.0: घरेलू बाजार की ताकत...

सितंबर 2025 में लागू हुए GST 2.0 सुधारों ने घरेलू अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार दी। टैक्स की जटिल पांच दरों को घटाकर 5% और 18% की दो मुख्य दरों में समेटा गया। इसका सीधा असर ऑटोमोबाइल सेक्टर पर दिखा, जहां अक्टूबर में वाहन बिक्री में 41.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। डिजिटल भुगतान ने भी नया रिकॉर्ड बनाया- एक ही दिन में लेन-देन का आंकड़ा 11.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इन आंतरिक सुधारों ने भारत को वैश्विक झटकों से लड़ने की मजबूत ढाल दी।

व्यापार समझौतों से बदली वैश्विक तस्वीर

- **यूके (CETA): 99% भारतीय उत्पादों को शुल्क-मुक्त प्रवेश**
- **EFTA समझौता: अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर निवेश की राह**
- **ओमान समझौता: होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्ग तक भारत की पहुंच मजबूत**

सफलता के साथ नई चुनौती

दिसंबर 2025 तक भारत का व्यापार घाटा घटकर 24.6 अरब डॉलर पर आ गया, जो पांच महीने का निचला स्तर है। हालांकि एक चुनौती अब भी बनी हुई है- अमेरिका पर बढ़ती निर्भरता। कुल भारतीय निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 18% से बढ़कर 21% हो गई है।

2026 की ओर नजर

2025 ने यह साबित कर दिया कि भारत सिर्फ संकट सहने वाला देश नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से खुद को ढालने वाली अर्थव्यवस्था है। अब 2026 में भारत के सामने लक्ष्य साफ है- अपने व्यापारिक बास्केट को और विविध बनाना, ताकि अवसर भी बढ़ें और जोखिम भी संतुलित रहे। 2025 भारत के लिए संकट का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की वापसी का साल बन गया।

सरकार ने मलेरकोटला जजों के लिए सरकारी घर अलॉट किये

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को अपने पूर्व निर्देशों की अनुपालना दर्ज करते हुए कहा कि मलेरकोटला में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस और एसएसपी का आधिकारिक आवास खाली कर न्यायिक उपयोग के लिए आवंटित कर दिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने डिप्टी कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट, मलेरकोटला द्वारा 19 दिसंबर को जारी पत्रों के साथ पेश की गई अनुपालना रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लिया। पीठ ने कहा कि 12 सितंबर और 10 अक्टूबर को पारित उसके आदेशों का पालन कर लिया गया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोनों परिसरों को मलेरकोटला के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के लिए कोर्टरूम और आवासीय सुविधा के रूप में सौंपा गया है। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव चोपड़ा ने सरकार की अनुपालना रिपोर्ट में जोड़ी गई इस शर्त पर आपत्ति जताई कि यह व्यवस्था केवल तब तक प्रभावी रहेगी, जब तक स्थायी आवास का निर्माण नहीं हो जाता। उन्होंने बताया कि मलेरकोटला में वर्तमान में 10 सत्र न्यायाधीश, दो अतिरिक्त सिविल जज सहित कई न्यायिक अधिकारी कार्यरत हैं और ऐसी स्थिति में अंतरिम व्यवस्था को सीमित करना व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा कर सकता है।

पीठ ने व्यवस्था का दायरा स्पष्ट करते हुए निर्देश दिया कि संगरूर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जो फिलहाल मलेरकोटला सत्र प्रभाग का प्रभार देख रहे हैं, दोनों सरकारी परिसरों का आवश्यकता अनुसार आवासीय या कोर्टरूम उद्देश्यों के लिए सर्वोत्तम उपयोग करेंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि इन परिसरों का उपयोग हाईकोर्ट के आगे के आदेशों के अधीन रहेगा। उल्लेखनीय है कि 21 नवंबर को हाईकोर्ट ने कई जिलों, जिनमें मलेरकोटला भी शामिल है, में न्यायपालिका के लिए स्थायी आवास उपलब्ध न कराने पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी।

शरवण सिंह को मिलेगा पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना को दूध पिलाकर निभाई थी साहसिक भूमिका

समर न्यूज़ | फिरोजपुर

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्भुत साहस और सेवा भावना का परिचय देने वाले पंजाब के शेर बच्चे शरवण सिंह को वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 10 वर्षीय शरवण सिंह पुरस्कार ग्रहण करने के लिए 26 दिसंबर को दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। उल्लेखनीय है कि वह इस वर्ष इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चयनित होने वाला पंजाब का एकमात्र विद्यार्थी है। ममदोट स्थित सिटी हार्ट स्कूल का छात्र शरवण सिंह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रोज़ाना अपने घर से लस्सी, दूध और रोटियां लेकर सीमा पर तैनात भारतीय जवानों के पास पहुंचता था और उन्हें भोजन कराता था। जहां इस उम्र के अधिकतर बच्चे डर के माहौल में अपने घरों तक सीमित रहते हैं, वहीं शरवण निडर होकर सीमा क्षेत्र में घूमता रहा और सैनिकों का मनोबल बढ़ाता रहा।

शरवण की इस निस्वार्थ सेवा और देशभक्ति की भावना से प्रभावित होकर भारतीय सेना ने पहले ही उसे कई पदकों से सम्मानित किया था। अब उसके इसी साहस और समर्पण को देखते हुए उसे वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चुना गया है।

इस अवसर पर सिटी हार्ट स्कूल की प्रिंसिपल रजनी शर्मा ने शरवण सिंह और उसके माता-पिता को बधाई दी और दिल्ली रवाना होने से पहले उसे शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में देश के साथ खड़े रहना और एक अच्छा इंसान बनना ही सच्ची उपलब्धि है।

भारत में खाना बना आदत, जज्बात व जश्न का हिस्सा

हैदराबाद के ग्राहक ने कुकीज पर खर्च किए 47 हजार रुपए

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

स्विगी की 2025 की रिपोर्ट में भारतीयों की खाने की आदतों से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है, जिसमें कुकीज़ ने खास जगह बना ली है। रि

पोर्ट के अनुसार, हैदराबाद के एक ग्राहक ने साल 2025 में सिर्फ ड्राई फ्रूट कुकीज़ पर 47,106 खर्च किए। इस ग्राहक ने त्योहारों की शुरुआत के लिए कुल 65 बॉक्स कुकीज़ ऑर्डर किए, जो इस साल की सबसे अनोखी फूड स्टोरी में से एक बन गई। स्विगी के मुताबिक, कुकीज़ अब सिर्फ हल्का स्नैक नहीं रहीं, बल्कि त्योहारों, गिफ्टिंग और मीठी शुरुआत का अहम हिस्सा बन चुकी हैं। ड्राई फ्रूट और प्रीमियम कुकीज़ की मांग में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई। लोग इन्हें पूजा, त्योहारों और मेहमानों के स्वागत के लिए बड़े पैमाने पर ऑर्डर कर रहे हैं। मिठाइयों और बेकरी प्रोडक्ट्स में कुकीज़ की लोकप्रियता खासकर शहरी इलाकों में। स्विगी की यह रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि 2025 में भारत में कुकीज़ सिर्फ बच्चों का पसंदीदा स्नैक नहीं रहीं, बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद बन चुकी हैं।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

समर न्यूज़ | न्यूयॉर्क

अमेरिकी सीमा गश्त अधिकारियों ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (CBP) के अनुसार, यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के एल सेंट्रो सेक्टर में की गई, जहां इमिग्रेशन चेकपॉइंट्स पर वाहनों की जांच और अंतर-एजेंसी अभियानों के दौरान इन लोगों को पकड़ा गया। सीबीपी ने बताया कि 23 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच अंतरराज्यीय मार्गों पर कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (CDL) के साथ सेमी-ट्रक चला रहे 42 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 30 भारत के, दो एल साल्वाडोर के थे, जबकि अन्य चीन, एरिट्रिया, हैती, होंडुरास, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्की और यूक्रेन से संबंधित थे। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए कई लोगों के पास व्यावसायिक वाहनों को चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस थे। सीबीपी ने यह भी बताया कि कैलिफोर्निया राज्य द्वारा 31 कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए थे। मामले की आगे जांच की जा रही है और संबंधित एजेंसियां कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई कर रही हैं।

पेज 3 एंकर स्टोरी

क्विक कॉमर्स पर बदलती खरीदारी की आदतें, दूध से लेकर सोने तक सब ऑनलाइन

चेन्नई के एक ग्राहक ने पूरे साल में एक लाख के कंडोम खरीदे

एजेंसी | नई दिल्ली

ऑनलाइन शॉपिंग अब केवल रोजमर्रा की जरूरतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि लोगों की जीवनशैली और खर्च करने के तरीके भी उजागर कर रही है। स्विगी इंस्टामार्ट की 2025 की सालाना रिपोर्ट में ऐसे ही कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो बताते हैं कि भारतीय उपभोक्ता क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कितनी बेझिझक खरीदारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के एक ग्राहक ने पूरे साल में केवल कंडोम की खरीद पर एक लाख रुपये से अधिक खर्च कर दिए। इस ग्राहक ने सालभर में 228 बार ऑर्डर किए, जिनकी कुल राशि 1,06,398 रुपये रही। आंकड़ों से पता चलता है कि इंस्टामार्ट पर कंडोम एक बेहद लोकप्रिय उत्पाद बन चुका है और हर 127 ऑर्डर में से एक में कंडोम शामिल रहा। खासतौर पर सितंबर महीने में इसकी बिक्री में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दूध बना सबसे अधिक मंगाया जाने वाला उत्पाद

रोजमर्रा की जरूरतों में दूध 2025 में भी सबसे अधिक ऑर्डर किया गया उत्पाद रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, इंस्टामार्ट पर हर सेकंड चार से अधिक पैकेट दूध मंगाए गए। कंपनी का दावा है कि सालभर में ऑर्डर किया गया यह दूध 26 हजार से ज्यादा ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल भरने के लिए पर्याप्त है।

▪ पेट केयर, फिटनेस और लग्जरी पर भी जमकर खर्च...

पालतू जानवरों के प्रति बढ़ते लगाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चेन्नई के एक पेट लवर ने पालतू जानवरों से जुड़े सामान पर 24.1 लाख रुपये खर्च किए और उन्हें 'साल का सर्वश्रेष्ठ पेट ओनर' घोषित किया गया। वहीं फिटनेस के क्षेत्र में नोएडा के एक ग्राहक सबसे आगे रहे, जिन्होंने 1,343 प्रोटीन सप्लीमेंट्स ऑर्डर किए और सालभर में करीब 28 लाख रुपये खर्च कर डाले। क्विक कॉमर्स पर लग्जरी शॉपिंग का चलन भी तेजी से बढ़ा है। मुंबई के एक यूजर ने इंस्टामार्ट के जरिए 15.16 लाख रुपये का सोना खरीदा, जो इस बात का संकेत है कि अब यह प्लेटफॉर्म सिर्फ किराना तक सीमित नहीं रहा।

▪ 10 रुपये का सबसे छोटा ऑर्डर...

दिलचस्प रूप से, बेंगलुरु के एक यूजर ने साल का सबसे छोटा ऑर्डर दिया, जिसकी कीमत सिर्फ 10 रुपये थी और वह एक प्रिंटआउट से जुड़ा था। कुल मिलाकर, स्विगी इंस्टामार्ट की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आज का भारतीय उपभोक्ता क्विक कॉमर्स को केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर छोटी-बड़ी जरूरत और शौक पूरा करने का माध्यम बना चुका है—चाहे वह दूध हो, कंडोम हो या फिर सोना।